छोड़ झमेला झूठे जग का

छोड़ झमेला झूठे जग का, कह गए दास कबीर ।
पार लगायेंगे एक पल में तुलसी के रघुवीर ॥

भूल भुलयिया जीवन तेरा, साचो नाम प्रभु को ।
मन में बसा ले आज तू बन्दे, ले कर नाम गुरु को ।
सूरदास के श्याम हरेंगे जनम जनम की पीड़ ॥

तेरा मेरा दिन भर करता, पर तेरा कछु नहीं ।
माटी का यह खेल है यह सारा, मिलेगा माटी माहि ।
मीरा जी के ईश बुलाये सब को यमुना तीर ॥

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/277/title/chod-jhamela-jhoothe-jag-ka

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |